जनजातिय / जातिय आंदोलन

आंदोलन

- मेर जाति आंदोलन
- मीणा जनजाति आंदोलन
  - जहाजपुरा मीणा आंदोलन
  - जयपुर मीणा आंदोलन
- भील जनजाति आंदोलन
  - भगत आंदोलन
  - एकी आंदोलन

(1) मेर जाति आंदोलन

- मेर जाति का निवास क्षेत्र ⇒ मेरवाड़ा क्षेत्र (अजमेर)
- मेर जाति का क्षेत्र अन्तर्गत आता था ⇒
  - मेवाड़ → सिसोदिया
  - मारवाड़ → राठौर वंश
  - अजमेर → अंग्रेजी अधिकार
- मेर क्षेत्र राजनीतिक रूप से स्वतन्त्र था।
- **1818 में झांक गाँव समझौता**
  - मध्य हुआ ⇒
    - अंग्रेजी अधिकारी - F. विल्डर
    - मेर जाति
  - शर्त रखी ⇒
    - अंग्रेज इनके क्षेत्र पर आक्रमण नही करेगें।
    - मेर जाति लूटपाट नही करेगी।
- F. विल्डर ने 1819 मे मेर जाति पर संधि तोड़ने का आरोप लगाया और आक्रमण किया।
- **झाक गाँव घटना 1820**
  - मेर जाति ने यहाँ आस-पास अंग्रेजी पुलिस चौकी। थानो मे आग लगा दी।
  - मेर जाति के दमन के लिए 1821 में सैनिक टुकड़िया —
    - मेवाड़
    - मारवाड़
    - अंग्रेजी

- सैनिक टुकड़िया — मेवाड़ सेना
  - मारवाड़ सेन
  - अंग्रेजी

  > इनके समय मेर जाति ने आत्मसमर्पण कर दिया।

- M. इस जाति के नियंत्रण के लिए बनाई सैनिक टुकड़ी ⇒ **मेरवाड़ा बटालियन**
  - स्थापना ⇒ समय 1822
  - मुख्यालय ⇒ ब्यावर

(2) जहाजपुर मीणा विद्रोह (1851-60)

- → जहाजपुर के मीणाओं ने विद्रोह किया ⇒ जहाजपुर मेवाड़ के अन्तर्गत आता था।
- → आंदोलन का कारण ⇒
  - नई बंदोबस्ती प्रथा लागू की और अचानक करों में वृद्धि कर दी।
  - सामन्ती शोषण + जबरदस्ती वसूली
  - इस कारण मीणाओं ने चोरी। लूटपाट आरम्भ कर दी
- → इनके दमन के लिए भेजा सेनापति ⇒ अजीतसिंह
  - ↳ इसमें 57 सैनिक मारे गए।
- → इनके दमन के लिए आने वाली सेनाएँ — मेवाड़ी सेना, बूंदी सेना, अंग्रेजी सेना > इनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया।
- → मीणा ने 1860 में पुनः विद्रोह किया तो सेनापति चन्दनसिंह ने 6 मीणाओं को तोप से उड़ा दिया।
- → इनके नियंत्रण के लिए गठित की गई ⇒ **देवली छावनी (टोंक)**

(3) जयपुर मीणा विद्रोह

- मीणा शब्द की उत्पत्ति ⇒ मीन शब्द का अर्थ मछली
- आंदोलन का कारण
  - 1924 में भारत सरकार ने लागू किया था → क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट
    - कहा गया ⇒ मीणा आपराधिक जाति घोषित की
  - इसके विरुद्ध गठित की ⇒ मीणा सुधार समिति
    - गठनकर्ता ⇒
      - छोटूराम
      - महादेवराम
      - जवाहरराम
  - 1930 जयपुर जरायम पेशा कानून
    - नियम बनाया ⇒ जयपुर क्षेत्र के प्रत्येक मीणा को प्रतिदिन नजदीकी थाने में हस्ताक्षर करना।
  - संस्था बनाई गई ⇒ मीणा क्षेत्रीय सभा 1933 में
    - उद्देश्य ⇒ मीणाओं के विरुद्ध बने एक्टों के विरुद्ध आंदोलन करना।
  - " अखिल भारतीय मीणा क्षेत्रीय सभा का आयोजन किया
    - समय → 1952
    - स्थान → दिल्ली
  - मीणाओं का धर्मगुरु → मुनिमगन सागर → ग्रंथ लिखा → मीनपुराण
    - बताया ⇒ मीणाओं की 25 खाप और 5200 गौत्र थे।

1955 में **मीणा क्षेत्रीय सभा** का आयोजन किया।
- स्थान ⇒ नीम का थाना
- अध्यक्ष ⇒ मुनि मगन सागर

बागावास समझौता

→ बागावास गाँव (सांभर जयपुर) में मीणाओं की सभा आयोजित की गई और सरकार के विरोध किया।

→ 1956 में जयपुर सरकार ने जरायमपेशा कानून वापस लिया।

→ 1952 में भारत सरकार ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट वापस ले लिया।

भील जनजाति के आन्दोलन

→ आंदोलन का कारण ⇒ सामन्तों द्वारा भीलों का शोषण करना।
- ⇒ बोलाई कर ⇒ अर्थ ⇒ किन्हीं गावों में मार्ग बताने के बदले लिए जाने वाला कर
  ⇒ इस पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया।
- ⇒ चौकिदारी कर ⇒ भीलों द्वारा लिया जाने वाला सुरक्षा कर
  ⇒ इस पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया।
- ⇒ मावड़ी ⇒ अर्थ ⇒ महुआ के वृक्ष की शराब
  ⇒ सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया।
- ⇒ भील जंगलों पर एकाधिकार मानते थे जिसे सरकार ने समाप्त कर दिया।

note ⇒ भीलों द्वारा सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण चोरी। डकैती, लूटपाट प्रारम्भ कर दिया।

भगत आंदोलन

- नेतृत्वकर्ता ⇒ **गोविन्दगिरि**
  - जन्म ⇒ बासिया गाँव (डुंगरपुर)
  - जाति ⇒ बंजारा जाति
  - गुरु ⇒ **राजगीर** निवासी थे **मेटा बूटी के**
  - उद्देश्य बनाया ⇒ सामाजिक + धार्मिक सुधार
- मुलाकात → स्वामी दयानन्द सरस्वती

गोविन्दगिरि + स्वामी दयानन्द

- मुलाकात ⇒ स्थान उदयपुर मे 1881
- सरस्वती जी ने गोविन्द गिरी को कहा आदिवासियो मे शैक्षिक / सामाजिक / धार्मिक सुधार करो
- गोविन्दगिरी ने स्थापना की ⇒ **सम्प सभा - 1881 में**
  - आदिवासियो मे शिक्षा का स्तर सुधारना।
- आंदोलन का कारण ⇒ भीलों का सामन्ती शोषण
- गोविन्दगिरी ने स्थापना की **भगतपंथ की 1911 मे**
  - मुख्यालय ⇒ बेडसा गाँव (डुंगरपुर)
- **मानगढ़ काण्ड 17 NOV 1913**
  - घटना ⇒ बांसवाडा की मानगढ़ पहाड़ी पर गोविंदगिरी के नेतृत्व मे सभी भील एकत्रित हुए जिन पर पुलिस कर्मचारी ने गोलीबारी करवा दी। 1500 भील मरे।

note ⇒ मानगढ़ काण्ड को जलियावाला काण्ड से भी वीभत्स माना गया।

note 2 ⇒ गोविन्दगिरि को गिरफ्तार करके अहमदाबाद जेल मे ले गए जहां अहमदाबाद कोर्ट ने उन्हें 1920 में रिहा कर दिया।

notes ⇒ गोविन्दगिरि ने अपना अंतिम समय काम्बिया (गुजरात) मे बिताया था।

एकी आंदोलन

- नेतृत्वकर्ता ⇒ मोतीलाल तेजावत
  - जन्म ⇒ कोल्यारी गाँव (उदयपुर)
  - जाति ⇒ ओसवाल (जैन)
  - ठिकाना था ⇒ झाडोल ठिकाणा
  - उपनाम ⇒ आदिवासियों का मसीहा / बावसी
- आंदोलन का कारण
  - सामन्ती शोषण
  - जबरदस्ती कर
  - वसूली के विरुद्ध
- आंदोलन का उद्देश्य ⇒ भीलों में एकता + भाईचारा स्थापित करना
- आंदोलन की शुरुआत ⇒ 1921 में मातृकुण्डिया (राश्मी · चित्तौड़गढ़) से प्रारम्भ हुई
- भीलों ने तेजावत जी को 21 मांगे पेश की।
- तेजावत जी के नेतृत्व में 7/8 हजार भील पिछोला झील की पाल पर एकत्रित हुए।
- तेजावत जी ने 21 सूत्रीय मांगपत्र मेवाड़ राणा फतहसिंह के समक्ष पेश किया था।
  - उपनाम ⇒ मेवाड़ की पुकार
  - 3 मांगे अमान्य की
    1. वन सम्पदा
    2. बेठ - बेगार
    3. सुमर
- तेजावत जी जगदीश मंदिर की सीढ़ियों से खड़े होकर मेवाड़ के नियम उल्लंघन की घोषणा कर दी।
- जगदीश मंदिर
  - स्थित है ⇒ उदयपुर
  - उपनाम ⇒ सपनों का मंदिर

नीमडा काण्ड 1921

→ घटना = गुजरात के नीमडा गाँव मे तेजावत जी के नेतृत्व मे भील एकत्रित हुए। जिन पर पुलिस कर्मचारियो ने गोलीबारी करवा दी इस घटना मे 1200 भील मारे गए।

→ तेजावत जी ने 1936 खेडब्रह्मा गुजरात में आत्मसमर्पण किया।

→ तेजावत जी ने गाधी जी के कहने पर 1936 खेडब्रह्म (गुजरात) मे आत्मसमर्पण कर दिया।